

राजस्थान जल नकियाँ पर ध्यान केंद्रति करेगा

चरचा में कयों?

नीतीआयोग ने जल प्रबंधन सूचकांक में राजस्थान को बेहतर रैंकिंग प्रदान की है जिससे उत्साहति होकर राज्य तीन प्रमुख नदियों को जोड़ने वाली महत्त्वाकांक्षी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के कार्य में तेज़ी लाने के अलावा जल नकियाँ की सचिाई क्षमता और पारंपरिक जलस्रोतों के पुनरुद्धार की बहाली पर ज़ोर दे रहा है।

महत्त्वपूर्ण बदि

- चनिहति जल नकियाँ की 80 प्रतिशत सचिाई क्षमता को बहाल करके बड़े पैमाने पर समुदाय-प्रबंधति तालाबों और टैंकों के माध्यम से राजस्थान ने नीतीआयोग के समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (CWWMI) में अपनी रैंकिंग में सुधार कया है।
- 17 गैर-हिमालयी राज्यों में राजस्थान आधार वर्ष (वतितीय वर्ष 2015-16) में 13वें स्थान पर था जबकि 2016-17 में यह 10वें स्थान पर पहुँच गया।
- MJSA एक बहु-हतिधारी परियोजना है जिसका उद्देश्य जल नकियाँ को पुनरुजिवति कर भूजल स्तर में वृद्धि और स्वच्छ पेयजल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रति करना है तथा गाँवों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।
- राजस्थान के एकीकृत सचिाई समाधान योजना के तहत, राज्य सरकार ने नर्मदा नदी के लयि व्यापक पैकेज लागू कया है और कसिानों के लयि सूक्ष्म सचिाई प्रौद्योगिकी को अनविर्य रूप से अपनाने के लयि गंभीर प्रयास कयि हैं।
- यह सुधार सतही जल नकियाँ, वाटरशेड वकिस गतिविधियों और ग्रामीण जल आपूर्ति प्रावधानों की बहाली के लयि कयि गए कार्यों की वज़ह से है।

जल सूचकांक संकेतक

- जल सूचकांक में संकेतकों को नौ व्यापक वषियों में बाँटा गया था, जिसमें स्रोत संवर्द्धन तथा जल नकियाँ का पुनरुद्धार, वृहद् और मध्यम सचिाई आपूर्ति प्रबंधन, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था, शहरी जल आपूर्ति और स्वच्छता आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। राजस्थान इनमें से कुछ मानकों में शीर्ष स्थान पर रहा।
- राजस्थान नदी बेसिन और जल संसाधन योजना प्राधिकरण के मुताबकि 2016 में जल क्षेत्र में शुरू कयि गए जल स्वावलंबन अभियान ने समुदाय द्वारा प्रबंधति तालाबों और टैंकों के माध्यम से पहचान कयि गए अधिकांश जल नकियाँ की सचिाई क्षमता को बहाल करने में मदद की थी।
- नीतीआयोग ने समग्र जल क्षेत्र परदिश्य के लयि कयि गए अपने तरह के पहले मूल्यांकन और वशिलेषण के आधार पर राज्यों को रैंकिंग दी जिसके लयि पछिले दो साल से आँकड़े एकत्र कयि गए थे। इस संबंध में व्यापक दस्तावेज़ पछिले महीने प्रकाशति कया गया था।
- कुल तीन चरणों में जल स्वावलंबन अभियान के साथ 12,000 गाँवों को कवर कया गया था, जबकि चौथे चरण के लयि सर्वेक्षण का कार्य शुरू हो गया है।